वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 172 | बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश के माटी कलाकारों को वर्षभर मिलेगा रोजगार, दोगुनी होगी आय : प्रहलाद

श्रीयादे माटी कला बोर्ड की अभिनव पहल: स्वदेशी अपनाएं, देश को आत्मनिर्भर बनाएं

प्रदेश में पहली बार माटी का लाल राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह का होगा आयोजन

महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में बोर्ड प्रयासरत

जयपुर. कासं

प्रदेश में माटी कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में श्रीयादे माटी कला बोर्ड आगामी दिनों में अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को क्रियान्वित करेगा। जिससे माटी कलाकारों को केवल सीजनल ही नहीं बल्कि वर्षपर्यंत रोजगार उपलब्ध होने के साथ उनकी आय भी बढ़ सकें एवं उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वाबलंबी बन सकें। इस दिशा में बोर्ड मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार माटी कलाकारों को उचित प्रशिक्षण देकर अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीनें उपलब्ध करवा रहा है। यह बात बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने मंगलवार को उद्योग भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मिट्टी से बने उत्पादों के निर्माण में राजीविका के माध्यम से महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में बोर्ड प्रयासरत है एवं जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेंगे। इसके साथ ही मिट्टी के उत्पादों को प्रदेश के खादी भंडारों पर बिक्री के लिए मुहैया करवाने के लिए भी प्रयास किया जा रहा है। टाक ने रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के कुल्हड़ में चाय बेचने की पहल पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इसी तर्ज पर प्रदेश के समस्त बस स्टैण्ड पर भी कुल्हड़ के उपयोग को बढ़ावा देने का कार्य किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर मिट्टी उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए टाक ने दीपावली के मद्देनजर सभी जिला कलेक्टर्स व पुलिस अधीक्षकों को माटी कलाकारों को सार्वजनिक स्थलों पर मिट्टी के उत्पाद बेचने में सहयोग प्रदान करने हेतु पत्र भेजा है। राजस्थान की उत्कृष्ट संस्कृति को माटी कला के द्वारा पूरे देश व विश्व में ख्याति दिलाने के लिए माटी कलाकारों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए श्रीयादे माटी कला बोर्ड पहली बार माटी का लाल राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह आयोजित करेगा। जिसके तहत प्रत्येक जिले से दो श्रेष्ठ माटी कलाकारों का चयन कर उनमें से राज्य स्तर पर प्रथम, दितीय व तृतीय एवं सात सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार हेतु आगामी नवंबर में प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएंगी।

ट्रेनर्स के एक और बैच का होगा प्रशिक्षण

राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2025-26 में इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीनों के लिए चयनित मिट्टी कामगारों की दक्षता वृद्धि के लिए श्रीयादे माटी कला बोर्ड ट्रेनर्स को भी उचित प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसी कड़ी में 25 ट्रेनर्स के एक और बैच को दीपावली के बाद उत्तर प्रदेश के खुर्जा में सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। इससे पूर्व बोर्ड द्वारा 15 से 21 सितंबर तक खुर्जा स्थित सेंट्रल ग्लास एंड सेरेमिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट में टेराकोटा पॉटरी प्रशिक्षण हेतु ट्रेनर्स का दल भेजा गया था।

एक हजार से अधिक मशीनों का हुआ वितरण

बोर्ड अध्यक्ष टाक ने प्रेस वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर बजट घोषणा 2025-26 की क्रियान्विति में इस साल प्रदेश के 21 जिलों में चयनित एक हजार से अधिक कामगारों को प्रशिक्षण उपरांत मिट्टी गूंथने की मशीन व इलेक्ट्रिक चाक का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि दिसंबर तक 2 हजार मशीनों के वितरण लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए शेष जिलों में चयन, प्रशिक्षण एवं वितरण कार्यक्रम जारी है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने सिविल अस्पताल में मरीजों के बीच किया फल, बिस्कुट और ब्रेड का वितरण, सेवा कार्य से बढ़ी खुशियां

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने अपने सदस्यों के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य के तहत मंगलवार को समूह के अध्यक्ष अमित जैन टकसारी ने अपना जन्मदिन समाजसेवा के कार्यों को समर्पित किया। इस अवसर पर समूह के सभी सदस्य सिविल अस्पताल अंबाह पहुंचे। अस्पताल के सामान्य वार्ड, कुपोषण वार्ड और प्रसूता वार्ड में भर्ती मरीजों को फल, बिस्कुट और ब्रेड का वितरण किया गया। इसके साथ ही सदस्यों ने मरीजों और उनके परिजनों से हाल-चाल जाना और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। मरीजों और परिजनों ने इस सेवा कार्य के लिए समूह का आभार व्यक्त किया। वितरित फल और अन्य सामग्री न केवल रोगियों के पोषण में मददगार रही, बल्कि इससे उनका मनोबल भी बढ़ा। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक जैन (एडवोकेट), डॉ. सुधीर आचार्य, डॉ. प्रमोद शर्मा, डॉ. ईशा जैन, संतोष जैन, सुशील जैन, अजय बबलू जैन, कुलदीप जैन, ओपी जैन, संजय जैन, आशु जैन वरेह, मनीष जैन, राज कुमार जैन, रामप्रकाश जैन, पंकज जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य में भाग लिया और जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी देखने का अनुभव साझा किया। इसके अतिरिक्त समूह द्वारा अन्य सामाजिक सेवा कार्य भी संपन्न किए गए, जिनमें अस्पताल परिसर की सफाई, बुजुर्ग और असहाय मरीजों की देखभाल, तथा अस्पताल कर्मचारियों के सहयोग में मदद शामिल रही। इस मौके पर अमित जैन ने कहा ''सेवा ही सच्चा उत्सव है। जीवन में यदि दूसरों की मदद का अवसर मिले तो उसे पूरी निष्ठा और श्रद्धा से करना चाहिए।'' दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने यह भी स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत उत्सव और खुशी को सामाजिक कल्याण के कार्य में बदलना ही असली जीवन की सफलता है।

दीपावली कॉर्निवाल का उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया शुभारंभ

स्वदेशी सामान खरीदने का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेन्ट्रल स्पाइन के दीपावली कॉर्निवाल- 2025 का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, व विधायक बालमुकुंद आचार्य ने किया। इस मौके पर उन्होंने आमजन को स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत माला व दुपट्टा पहनाकर सुमन अग्रवाल व महिला अध्यक्ष दिव्या साबू शर्मा ने किया। कॉर्निवाल दीपावली तक रहेगा। इस अवसर पर इसमे सेंट्रल स्पाइन के कॉरिडोर में सजावट व व्यापारियों की स्टाल लगाई गई है। इस अवसर पर अध्यक्ष महेंद्र गोयल, महासचिव पंकज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नितिन खंडेलवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज केडिया, उपाध्यक्ष मनीष जालान, शैलेश बूबना, संदीप बसेरा, सचिव अशोक झालानी, विधि सलाहकार प्रमोद अग्रवाल, सह सचिव विजय बच्चानी, भवानी खोरा, मनीष अग्रवाल, अजय सैनी, मुकेश जाजू, दर्शन सिंह, विवेक खेतान, चेयरमेन नरेंद्र सिंह शेखावत, पार्षद वार्ड 25- सुरेश जांगिड़, विधाधर नगर मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष जयंत कुमावत, हरि ओम जन सेवा से पंकज गोयल, राजेश चैधरी, अमित चोटिया, प्रदीप खेतान, राज मीडिया से नवल शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप अग्रवाल, सौरभ गोयल, मुकेश टेकरीवाल, अजय मित्तल, दिनेश टेकरीवाल, श्रवण नाटिया, जितेंद्र सैन एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

सनातन शक्ति स्नेह मिलन समारोह में दिखा, भक्ति संस्कृति व मातृशक्ति का अद्भुत संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया। सनातन सेवा संगठन, जयपुर के बैनर तले भक्ति संस्कृति मातृशक्ति का अद्भुत संगम, करघनी नगर में संपन्न हुआ। समारोह में भक्ति संस्कृति मातृषक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस मोके पर वक्ताओं ने शस्त्र और शास्त्र के महत्व के साथ हिंदू समाज में वर्तमान में चल रही बुराइयों से निपटने के तरीकों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की,साथ ही स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और कुटुंब प्रबोधन के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम संयोजक कन्हैया लाल प्रधान व उप संयोजक मुरारी शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में परम पूज्य गौ ऋषि प्रकाश दास जी महाराजह्न ने देश के सैनिकों के सम्मान में सभी उपस्थितों से अपने मोबाइल टॉर्च जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करवाई। उन्होंने देशभक्ति और भगवान राम के भजनों के माध्यम से पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख, विवेक गुप्ता ने सनातन धर्म में किए जाने योग्य कार्यों, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और कुटुंब प्रबोधन के महत्व पर विस्तार से बताया,वहीं साध्वी संमदर्शी गिरी दीदी ने शस्त्र और शास्त्र के महत्व के साथ हिंदू समाज में वर्तमान में चल रही बुराइयों से निपटने के तरीकों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड-43 की पार्षद व चैयरमेन विशिष्ट अतिथि अर्चना शर्मा कहा कि 'यत्र नारियस्तु पूज्यन्ते, तत्र रमन्ते देवता' अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते है। सनातन संस्कारों के लिए नारी का समाज एवं राष्ट्र के लिए निर्माण में एक महत्वपूर्ण योगदान है साथ ही महिलाओं को सवालाम्बी एवम समृद्ध बनने के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने देशभक्ति और भगवान राम के भजनों के माध्यम से पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय बना दिया। इस दौरान 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक शिव लहरी ने संयुक्त परिवारों के महत्व और उससे होने वाले लाभों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी संतों का सम्मान किया गया और अंत में ह्नसंयोजक कन्हैया लाल प्रधान' ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

आर्स परम्परा में नमक का स्वाद अभाव में सदभाव का अनुभव करता है: राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

समयसार के चिंतन से रुपातीत ध्यान को समझा जा सकता है। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी की हुई बैठक में आयोजन को लेकर चर्चा

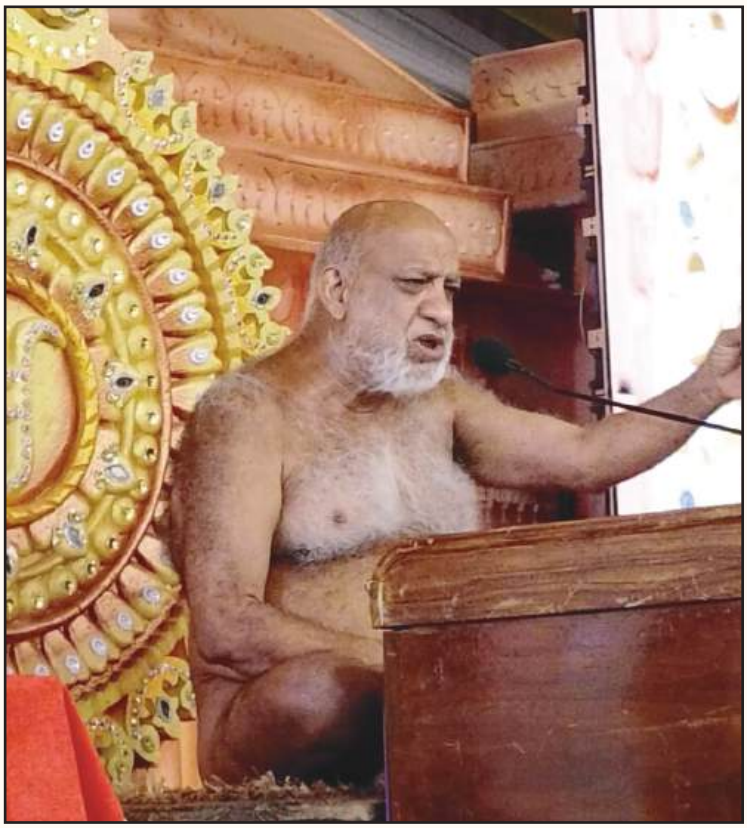

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

आर्स परम्परा में नमक का स्वाद अभाव में सदभाव का अनुभव करता है अभाव में सदभाव का अनुभव करता तो आसान है लेकिन सदभाव में अभाव का अनुभव करें मैं मनुष्य नहीं हूं मनुष्य नहीं होने की अनुभूति लाना बहुत कठिन है जो तुम्हारे पास पद प्रतिष्ठा है उसे भूलें अज्ञानी ज्ञान का अनुभव तो कर सकता हैं ज्ञानी ज्ञान को भूलने को तैयार नहीं होता यदि ज्ञान को भूलकर अपने आप में चलें जाये तो आप ऐसी अवस्था में पहुंच जायेंगे जिसे सदभाव में अभाव कहा जाता है ये आसान नहीं है उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिपुगंवश्री सुधासागर जी महाराज ने समयसार शिक्षण प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

गरीब आदमी अमीरी की अनुभूति कर सकता अमीर गरीबी की करे तो जानें

उन्होंने कहा कि देखते हुए नहीं देखने की अनुभूति बोलते हुए नहीं बोलने की अनुभूति सदभाव में अभाव की अनुभूति गरीब आदमी अमीरी की अनुभूति कर सकता है अमीर आदमी गरीबी की अनुभूति करें बहुत कठिन है रूपातीत ध्यान सदभाव में अभाव की अनुभूति करता है रूपातीत ध्यान में हमें अपने शरीर का अभाव देखना है अभिमन्यु चक्रवीयू में प्रवेश तो कर गया लेकिन निकलना नहीं जानता था उसे आठ आठ योद्धाओं ने इतनी बुरी तरह से मारा कि अर्जुन इस घटना क्रम को याद कर तड़प जाता है ऐसे ही निश्चिय वाले को आठ कर्मों से निकलने की रास्ता ही पता नहीं है नारी को युद्ध की वात पसंद नहीं आता नारी को तो श्रंगार की बात अच्छी लगती हैं इसमें गलती अर्जुन की थी जिसे आप सीख दे रहे हैं उसे देखे तो सही कि वह पात्र हैं या नहीं सिर्फ सीख देना से कार्य में सफलता की गारंटी नहीं होती यदि उस समय अर्जुन ने ध्यान दिया होता तो कुछ और ही बात होती।

आगामी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर थूवोनजी कमेटी ने की बैठक

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में होने वाले आगामी कार्यक्रम को लेकर थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल की अध्यक्षता में सुधा सागर मार्केट थूवोनजी भवन में गत दिवस एक बहद बैठक का आयोजन किया गया इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल सभी ग्रुपो के पदाधिकारियों विशेष रूप से उपस्थित थे इस दौरान कमेटी के महामंत्री मनोज भैसरवास ने आगामी कार्यक्रम को देखते हुए सभी संगठनों से विभिन्न कार्यक्रम के दायित्व के कार्य को अंजाम देने पर जोर देते हुए सहयोग का आव्हान किया। जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि महाराज की कृपा रही कि सभी मुख्य कार्य को पूज्य श्री ने इस चातुर्मास में यही से पूरा करा दिया अव हमें अमली जामा पहना है।

सभी कार्यों को मिलकर हमें पूरा करना है

जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल ने संभावित कार्य को देखते हुए सभी तैयारियों को पेपर पर पूरी करने के साथ ही अशोक नगर पंचायत कमेटी के साथ मिलकर काम को करने की बात को दोहराया जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि प्रतीष्ठाचार्य प्रदीप भ इया के कुशल निर्देशन में हम सब काम को पूरा करने के लिए संकल्पित है जैसे उनके दिशा निर्देश होंगे सभी कार्य को आगे बढ़ाया जायेगा थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल ने कहा कि चातुर्मास की सफलता के साथ ही ऐसे ही सारी व्यवस्था हम दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में करेंगे यहां शहर में रहते हुए और तीस किलोमीटर दूर पहुंच कर व्यवस्था को मजबूत बनाने में अंतर है इसलिए सभी साथियों का विशेष सहयोग भी अवश्य है इस दौरान जैन समाज महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई सहित अन्य प्रमुख जनो ने अपनी बात रखी। इस दौरान सभी प्रमुख जन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पक्ष होगा तब विपक्ष की भूमिका तय होगी

उन्होंने कहा कि पक्ष होने पर ही विपक्ष है विपक्ष की भूमिका विना पक्ष के कुछ भी नहीं है पक्ष हो तो कुटिलता ख्याति पूजा मान अपमान से ऊपर उठ जाता है किस पर में क्रोध कर रहा हूं क्रोध तो हम कर लेते हैं पर हमें ये पता ही नहीं रहता कि जिस पर क्रोध कर रहे हैं उसे पता ही नहीं है वह शांत बैठा है और आप अपने परिणामों को आगवगूला कर रहे हैं हम। सदभाव में अभाव की अनुभूति की बात कर रहे हैं भोजन में नमक नहीं है इसका पता लगाने में एक क्षण लगा और भोजन में नमक है फिर भी हमें नमक का अनुभव ना हो ये बहुत कठिन है सद्भाव में आभाव मुझे कोई राजकुमार रहते हुए राजा कहे तो अच्छा लगता है मुझे भगवान कहते हैं मुझे अच्छा लगता है मैंने कुछ किया नहीं और सब कहते हैं उससे गुद गुदी आती है।

वेद ज्ञान

दुखों का मूल केवल कर्मफल

मनुष्य दुख और सुख का अनुभव मन के माध्यम से करता है। मन का निर्माण भूतकाल की यादों और अनुभवों द्वारा होता है। अतीत की यादें कभी सुखद तो कभी आत्मग्लानि, अपराधबोध, हीनता, आक्रोश और कटुता जाग्रत करने वाली होती हैं। मनुष्य वर्तमान के मोह में असंतुष्टि, अज्ञान और अन्य कारणों के साथ अतीत की यादों द्वारा सबसे ज्यादा दुखी महसूस करता है। इन बुरी और हीन यादों का बोझ वह न चाहते हुए भी ढोता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संसार में अभी तक कोई ऐसी औषधि नहीं बनी, जिसके सेवन से इन यादों को मिटाया जा सके। पुरानी यादों के द्वारा अपराध बोध से ग्रसित होकर मनुष्य का स्वभाव नकारात्मक हो जाता है और इसकी अति होने पर मानसिक बीमारियां-जैसे अवसाद आदि से ग्रसित होकर स्थाई रूप से दुख अनुभव करने लगता है। पुरानी यादें मनुष्य के स्वयं के कर्मों की ही प्रतिक्रिया हैं और कर्मफल से संसार में कोई भी प्राणी यहां तक कि ईश्वर भी नहीं बच सके हैं। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि हर जीव को कर्मफल भोगना ही पड़ता है। इस तथ्य की पुष्टि आज के समय में विज्ञान के तथ्यों द्वारा अमेरिका के एक मनोचिकित्सक ब्रायन ब्रास ने अपनी पुस्तक मैनी लाइफ मैनी मास्टर्स में की है। इससे स्पष्ट होता है कि दुखों का मूल केवल कर्मफल और अज्ञानता है। इससे बचने का उपाय भगवान ने गीता में बताया है कि मनुष्य को कर्म, अकर्म एवं विकर्म का भेद जानकर केवल वही कर्म करना चाहिए जो उसके स्वधर्म के अनुकूल हो और स्वधर्म के अनुसार किए कर्म का फल स्वतः भगवान को अर्पण हो जाता है। इस प्रकार कर्मफल से मुक्त होकर वह प्रतिक्रियास्वरूप सुख-दुख से भी मुक्त हो जाता है। विकर्म वह है, जो स्वधर्म एवं नैतिकता के विरुद्ध किया जाता है। इस कारण इसका कर्मफल मनुष्य को स्वयं भोगना पड़ता है। विकर्म के लिए उसे उसके मन और बुद्धि ही प्रेरित करते हैं। इसलिए संयम, सदाचार और महापुरुषों के आचरण का पालन करके मनुष्य विकर्म से बचकर दुखों से भी बच सकता है। आइए कर्मफल के सिद्धांत को समझकर विकर्म से बचकर सुख और आनंद की प्राप्ति करें। यही मर्म समझकर हम अपने जीवन को सही मायनों में सार्थक बना सकते हैं।

संपादकीय

जब सत्ता ने किया नौकरियों का सौदा

भारतीय राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे हैं, जो सामाजिक न्याय के प्रतीक बनकर उभरे, लेकिन समय के साथ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिर गए। इन्हीं में से एक प्रमुख नाम है लालू प्रसाद यादव का, जो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के संस्थापक हैं। उन पर 2004 से 2009 के बीच केंद्रीय रेल मंत्री के पद पर रहते हुए 'लैंड फॉर जॉब' यानी नौकरी के बदले जमीन घोटाले को अंजाम देने का आरोप है। यह

मामला केवल सार्वजनिक पद के दुरुपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सत्ता के गलियारों में फैले भाई-भतीजावाद और मनी लॉन्ड्रिंग की गहरी जड़ों को भी उजागर करता है। हाल ही में, 12 अक्टूबर 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा लालू यादव समेत 14 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय किया जाना, बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एक राजनीतिक भूचाल लाने जैसा है। यह घटना हमें इस सवाल पर सोचने के लिए मजबूर करती है: क्या सत्ता का दुरुपयोग लोकतंत्र की नींव को खोखला कर रहा है? इस घोटाले की कहानी 2004 से 2009 के दौरान लिखी गई, जब लालू प्रसाद यादव यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अनुसार, इस अवधि में रेलवे के ग्रुप-डी पदों पर की गई भर्तियों में भारी अनियमितता बरती गई। आरोप है कि उम्मीदवारों को नौकरी देने के एवज में उनसे बिहार के पटना, गोपालगंज और अन्य जिलों में स्थित कीमती जमीनें ली गईं। ये जमीनें बाजार मूल्य से काफी कम दामों पर सीधे लालू यादव के परिवार के सदस्यों पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव, और बेटियों मीसा भारती व हेमा यादव के नाम पर या उनसे जुड़ी कंपनियों को हस्तांतरित करवाई गईं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले को मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ते हुए अपनी पूरक चार्जशीट में छह अतिरिक्त जमीनों का खुलासा किया, जिससे घोटाले का अनुमानित मूल्य 600 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जांच में सामने आया कि भर्ती प्रक्रिया में योग्यता को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया और उम्मीदवारों ने गलत दस्तावेजों का सहारा लिया सब कुछ तत्कालीन रेल मंत्री की जानकारी में। यह केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि सत्ता के बाजारीकरण का प्रतीक है, जहाँ नौकरी जैसी बुनियादी जरूरत को निजी लाभ के लिए एक वस्तु बना दिया गया। कानूनी मोर्चे पर लालू परिवार की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस साल 8 मई 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ईडी को सीआरपीसी की धारा 197(1) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी, जो किसी लोक सेवक पर कार्रवाई के लिए एक अनिवार्य कदम है। इसके बाद, 31 मई को दिल्ली हाईकोर्ट ने लालू यादव की याचिका खारिज करते हुए निचली अदालत की कार्यवाही को हरी झंडी दे दी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंचा, लेकिन 18 जुलाई को शीर्ष अदालत ने भी कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस घोटाले का राजनीतिक प्रभाव इसके आर्थिक पहलू से कहीं ज्यादा गहरा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

डॉ. कलाम का जीवन दर्शन

श्वेता गोयल

'मिसाइलमैन' के नाम से विख्यात डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जो एक वैज्ञानिक भी थे। वे सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे गुणों की जीती-जागती मिसाल थे। डॉ. कलाम न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि एक अद्भुत इंसान और प्रेरणादायक नेता भी थे, जिन्होंने अपने इन्हीं गुणों से देशवासियों का दिल जीत लिया। मौजूदा राजनीतिक परिवेश में उनके जैसे व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है, और यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हैं। डॉ. कलाम की सबसे बड़ी विशेषता थी कि उन्होंने जिनके साथ भी काम किया, उन्हें अपना बना लिया। वे युवाओं को हमेशा बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। वे कहते थे, सपने सच हों, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें। युवाओं को दिए अपने संदेश में उन्होंने कहा था, हिम्मत होनी चाहिए कि कुछ अलग सोच सको, कुछ नया खोज सको, असंभव को खोज सको और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सको। उनका विश्वास था कि पूरा ब्रह्मांड उन लोगों की मदद करता है जो सपने देखते हैं और मेहनत करते हैं। तमिलनाडु के रामेश्वरम में 15 अक्टूबर 1931 को एक साधारण परिवार में जन्मे कलाम ने गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद विज्ञान के क्षेत्र में ऊंचाइयां छुईं। उनके नेतृत्व में भारत ने कई उपग्रह और स्वदेशी मिसाइलें विकसित कीं और परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बना। उन्होंने डीआरडीओ और इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफल बनाया। 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सादगी का एक नया मानदंड स्थापित किया। जब वे राष्ट्रपति भवन पहुँचे, तो उनके सामान में केवल दो सूटकेस थे—एक में उनके कपड़े और दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में केवल दो बार छुट्टियाँ लीं, एक अपने पिता और दूसरी अपनी माँ के निधन पर। उनकी ईमानदारी का एक प्रसिद्ध किस्सा है, जब उनका 52 सदस्यों का परिवार उनसे मिलने दिल्ली आया। वे आठ दिनों तक राष्ट्रपति भवन में रुके, लेकिन इस दौरान हुए खर्च की एक-एक पाई डॉ. कलाम ने अपनी जेब से चुकाई। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि मेहमानों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारों का इस्तेमाल नहीं होगा और खाने-पीने का खर्च भी अलग से दर्ज किया जाएगा। बाद में उन्होंने 3.52 लाख रुपये का चेक अपने निजी खाते से राष्ट्रपति कार्यालय को भेजा। डॉ. कलाम भारत के भविष्य को लेकर गहराई से सोचते थे। उनका मानना था कि अगर भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है, तो इसमें तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं—पिता, माता और गुरु। अपनी पुस्तक 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम' में उन्होंने 2020 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा था, उनका मानना था कि यह लक्ष्य युवाओं के योगदान से ही संभव होगा। 27 जुलाई 2015 को शिलांग में भारतीय प्रबंधन संस्थान में छात्रों को संबोधित करते हुए दिल का दौरा पड़ने से इस महान विभूति का निधन हो गया। डॉ. कलाम भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका जीवन, उनके विचार और उनका दर्शन हमेशा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

डांडिया की खनक और दीपों की जगमगाहट से सजा सिटीजन डांडिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा ईपी के ईस्ट लॉन में सिटीजन डांडिया का भव्य आयोजन उत्साह, उमंग और रंगीन रोशनी के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जय अम्बे माता की आरती, दीप प्रज्वलन और पारंपरिक परिधानों में सजे सदस्यों की उपस्थिति से हुआ। वातावरण में मां अम्बे के जयघोष और ढोल की थाप से श्रद्धा और आनंद का संगम देखने को मिला। क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल और चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि सजे-धजे पंडाल, आकर्षक सजावट, झिलमिलाती लाइटिंग और लाइव म्यूज़िक ने माहौल को और भी मनमोहक बना दिया। सदस्यों व अतिथियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए गरबा और डांडिया की धुनों पर देर रात तक थिरकते हुए यादगार शाम का अनुभव किया। कार्यक्रम के चेयरमैन अशोक जैन कोटलर और क्लब सचिव आशीष वैद ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अनिला कोठारी थीं, विशिष्ट अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रज्ञा मेहता जबकि मुख्य आकर्षण बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका नागपाल रहीं, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुंबई से आए प्रसिद्ध कलाकार रोहित शर्मा, रुचि खंडेलवाल, निराली फौजदार और मितली वर्मा ने अपने सुरों और ऊर्जावान प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को झूमने पर मजबूर कर दिया। गुजराती पारंपरिक गीतों से लेकर बॉलीवुड हिट्स तक, हर धुन पर दर्शक झूम उठे। को-चेयरमैन नरेंद्र मित्तल और नीरज गंगवाल ने बताया कि इस डांडिया आयोजन का उद्देश्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के हित में सहायता प्रदान करना था। क्लब ने मनोरंजन के साथ सामाजिक सरोकार को जोड़ते हुए मानवीय संवेदना का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम में बेस्ट मेल डांसर, बेस्ट फीमेल डांसर, बेस्ट ड्रेस्ड मेल-फीमेल और बेस्ट ड्रेस्ड कपल जैसी विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिक्ट व क्लबों के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ करीब दो हजार से अधिक लोगो ने भाग लिया । क्लब के कोषाध्यक्ष अजय जैन ने बताया कि कार्यक्रम के प्रायोजक केजीके रियल्टी थे, जबकि मंच संचालन का कुशल दायित्व प्रीति सक्सेना और शेरोन नागपाल ने निभाया।

श्री अरुण जैन को जेस द्वारा इंजिनियर ऑफ द ईयर का सम्मान

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया

विगत 8 वर्षों से देश के गौरवशाली सेवा प्रकल्प, अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में सिविल इंजिनियर के रूप में अपनी समर्पित सेवाएं दे रहे इंजी. अरुण कुमार जैन को जैन इंजिनयर्स सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा वर्ष 2025 का इंजिनियर ऑफ द ईयर का गौरवशाली सम्मान प्रदान किया गया। जेस फरीदाबाद इकाई द्वारा ग्रेटर फरीदाबाद में डॉ सुभाष जैन की अध्यक्षता में आयोजित एक गरिमामय समारोह में संरक्षक डॉ सुभाष जैन, महासचिव धन कुमार जैन, श्रीमती नंदा जैन अध्यक्ष वर्धमान सेवा समिति, आर. सी. जैन महासचिव वर्द्धमान सेवा समिति, सुरेंद्र जैन अध्यक्ष सखी संगठन ने यह अलंकरण प्रदान किया। अरुण जैन की इंजीनियरिंग सेवाओं का उल्लेख करते हुये मनोज जैन व राजेश जैन ने बताया कि विगत 45 से अधिक वर्षों में इनके द्वारा देश के महत्वपूर्ण

प्रोजेक्ट पूरे किये गये हैं जिनमें 50 एकड़ क्षेत्र में बना विद्युत लोको शेड झाँसी व रिमोट कंट्रोल सेंटर 1990 के दशक में इनके अधीन निर्मित किया गया. कटनी, दमोह खंड, भुवनेश्वर, खरगपुर, पुरी खंड में बहुमंजिलि भवन व रिमोट कंट्रोल सेंटर आदि के कार्य इनके अधीन पूर्ण हुये। उज्जैन इंदौर व इटारसी जबलपुर के मध्य भी इसी तरह के कार्यों को इन्होने पूर्ण कराया। विगत 8 वर्षों से 130 एकड़ के विशाल क्षेत्र में निर्मित 1 करोड़ वर्ग फुट के अमृता हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज, आवासीय भवन, आडिटोरियम व अन्य महत्वपूर्ण निर्माण कार्य में इनकी सक्रिय सहभागिता रही। भारतीय रेलवे में इन्हें मण्डल, जोन व रेलवे बोर्ड के सम्मान मिले। इंजिनियरिंग क्षेत्र में नीषणात जैन की साहित्य के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहिचान है. इनकी 22 पुस्तकें, 3000 से अधिक रचनाएँ अब तक प्रकाशित हुयी हैं. संपादन, मंचसंचालन व गायन में भी दक्ष श्री अरुण जैन को साहित्य के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्तर के सम्मान मिले हैं। आकाशवाणी, दूरदर्शन से जुड़े जैन पर्यावरण संरक्षण व समाज के निचले वर्ग को शिक्षा प्रदान करने में अपना योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में श्रीमती शिल्पी कासलीवाल, श्रीमती निधि जैन नागपुर, अभिनव जैन, अम्बर जैन, श्रीमती उर्मिल जैन, श्रीमती रिया जैन, डॉ आकांक्षा जैन के साथ साथ कई संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे । अरुण जैन ने इस सम्मान हेतु आभार व्यक्त करते हुए इसे प्रभु, गुरु अनुकम्पा व बड़ों के आशीर्वाद का सुफल मना। अपने इंजिनियरिंग कार्य के प्रेरक संस्मरण उन्होंने सुनाये व बताया कि 1980 में राजकीय पॉलिटेक्निक काशीपुर नैनीताल में उन्होंने शिक्षण का कार्य भी किया था जो उन्हें आज भी बहुत याद आता है। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुभाष जैन गुरूजी ने किया। अभिनव जैन, अम्बर जैन ने आभार व्यक्त किया। स्वादिष्ट अल्पाहार के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सभी ने आपस में आने वाले ज्योति पर्व की मंगलकामनाएं एक दूसरे को भेंट की।

महिला महासमिति ने किया बालिका के विवाह में सहयोग

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर की जाटियावास इकाई के तत्वावधान में वैशालीनगर क्षेत्र में रहने वाली जरूरतमंद परिवार की महिला मुन्नीदेवी की बालिका जिसका विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है के विवाह एवं विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन में कार्य में आने वाली सामग्री देकर सहयोग किया गया। जाटियावास इकाई अध्यक्ष मैना बडजात्या एवं मंत्री पूजा काला ने बताया कि समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में सामाजिक सरोकार के अंतर्गत जरूरतमंद माता की पुत्री के विवाह में सहयोग प्रदान किया गया। युवामहिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि महासमिति द्वारा धार्मिक कार्यों के साथ ऐसे परिवार जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपनी पुत्रियों के विवाह में असहजता महसूस करती है को समिति संरक्षक राकेश पालीवाल,समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी,मधु पाटनी, रीमा पांड्या,सरिता पाटनी,राजमती जैन,पदम चंद जैन,श्वेता ओम प्रकाश विजय,मालती सागर एम कुमार एवं जाटियावास इकाई की सदस्याओं के सहयोग में दुल्हन का बेस,21 साड़ियां, आर्टिफियल ज्वेलरी, सलवार सूट,स्टील के बर्तन,सेलो के सभी प्रकार के आइटम, ओवन, कुकर,प्रेस,चौकी,सजावट के सामान,सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री,बाथरूम सेट,ब्लैंकेट, ओढ़ना,बेड शीट, चरण पादुकाएं, स्वेटर्स,कोट, जैकेट,परिवारजन के वस्त्र सहित अन्य आवश्यक रोजमर्रा की जिंदगी में कार्य में आने वाली सामग्री देकर सहयोग किया गया।

दीक्षा पूर्व दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई की रस्म उत्साह के साथ संपन्न

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। बाल ब्रह्मचारिणी रुबी दीदी एवं सरस्वती दीदी के इंदौर नगर आगमन पर तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में अग्रसेन नगर गोरव नगर महावीर बाग एवं छत्रपति नगर दिगंबर जैन समाज द्वारा दिक्षार्थी बहनों की गोद भराई की रश्म बड़े ही भक्ति भाव से सम्पन्न हुई। सर्व प्रथम गोद भराई का सोभागय ट्रस्ट अध्यक्ष परिवार साधना भुपेंद्र जैन महिला परिषद् की चेअर पर्सन मुक्ता राजेश जैन दद्दू मनोरमा धनकुमार अजमेरा रजनी मीना जैन सोनाली मनीषा जैन एवं पद्मजा समता जैन एवं समाज जन ने बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ गोंद भराई की। इस अवसर पर अरविंद सोधीया रमेश चंद जैन निलेश जैन राकेश नायक आदि समाज जन उपस्थित हुए ।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर में जेनालाजी केन्द्र का भव्य शुभारंभ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। आज एक औपचारिक कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इन्दरसिंह परमार ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के खंडवा रोड आडिटोरियम में जेनालाजी व भारतीय ज्ञान परम्परा पर आयोजित सेमिनार का दीप प्रज्वलन कर जैन मंगलाचरण से जैनालाजी केन्द्र का भव्य शुभारंभ किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि स्वागत भाषण कुलगुरू राकेश सिंघई ने दिया जिसमें पूर्व कुलगुरू प्रो रेणु जैन, डा चन्द्रशेखर कुमार सचिव माइनॉरिटी रामसिंहजी जाईट सेकेटरी माइनॉरिटी व रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे उपस्थित थे। द्वितीय सत्र में नलीन शास्त्री देहली, तृतीय सत्र में प्रो ऋषभ फौजदार दमोह रमेश यादव पुरातत्व विभाग ने जैनालाजी की प्राचीनता पर अपने लेख प्रस्तुत किए। सत्र की अध्यक्षता कर रही प्रो संगीता दिलीप मेहता ने जैन जीवन शैली व पर्यावरण संरक्षण पर अपना ओजस्वी पक्ष रखा जिसकी सभी ने भूरी भूरी प्रशंसा की। अंतिम सत्र में उपकुलसचिव रचना ठाकुर, निलेश पुरोहित एस जीएसआईटीएस ने जैनालाजी और उसकी प्राचीनता पर अपने विचार रखे ।इस अवसर पर जैन समाज के गणमान्य जन श्री डीके जैन डीएसपी मंयक जैन ओम पाटोदी आदि समाज जन उपस्थित हुए अंत में राहुल सिंघई व रजनीश जैन निदेशक जैनालाजी ने सबके प्रति आभार व कृतज्ञता व्यक्त की। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन डा प्रतिभा शर्मा , अंगद ओझा, यामिनी करमलकर, कपिल शर्मा, रूपाली सरये, व परिणिता रत्नपारखी ने किया।

वर्षायोग धर्म ज्ञान का सीजन है, अतः इस सीजन का रीजन समझ कर भूले हुए धर्म का रिवीजन करें: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

टोंक. शाबाश इंडिया

वर्षायोग धर्म ज्ञान का सीजन है, अतः इस सीजन का रीजन समझ कर भूले हुए धर्म का रिवीजन करें, और सच्चे मार्ग पर चलने का डिसीजन लेकर अपनी पोजीशन बनावे। पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी आचार्य श्री के सानिध्य में श्री शांतिनाथ जिनालय तख्ता मंदिर में भव्य पंचामृत अभिषेक हुआ। आचार्य श्री के दर्शन हेतु प्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य पंडित धर्म चंद जी शास्त्री अष्टापद तीर्थ पधारे। आचार्य श्री एवं संघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वर्षायोग में श्रमण और श्रावक समाज नदी के तटों का चार माह के लिये अपूर्व संगम होता हैं। समुद्र सिन्धु है- नदी रूपी विन्दुओं के योग से यदि एक बिन्दु सिन्धु से पृथक जाती है तो सूर्य उसे सुखा देता है। साधु से कट कर रहने वाला समाज और समाज से कटकर रहने वाला साधु दोनों सूख जायेंगे।चातुर्मास दो तटों-दो पटरियों को मिलाने वाला अभूतपूर्व दीर्घकालीन त्यौहार है। रथ दो पहियों से चलता है। उसी प्रकार धर्मरूपी रथ साधु और समाज रूपी पहियों से चलता है, नजदीक से साधु-समाज को आपस में विचारों, आचारों का आदान-प्रदान करने का दीर्घकालीन समय वर्षायोग में मिलता है। रथ में दो पहियों को जोड़ने वाली धुरी (एक्सल) होता है धुरी वर्षायोग के रूप में श्रावक व श्रमण को प्राप्त होती है।साधु के लिए

कहा है बहता पानी-रमता योगी स्वच्छ होता है, लेकिन वर्षाकाल के चार माह में आगम की आज्ञा हैं सन्त विहार न करें, एक जगह रह कर विशेष तप साधना ध्यान-ज्ञान आराधन करें।श्रावक भी चार माह वर्षा में विवाह आदि मांगलिक कार्यों से निवृत्त रहता है, व्यापार-व्यवसाय भी मंद होता है। अतः उसे भी सन्त समागम से अपने जीवन में सदाचार, नैतिकता, धर्माचरण, स्वाध्याय आदि करने का विशेष अवसर प्राप्त होता है।वर्षाकाल में पानी बरसता है और वर्षायोग में साधु-सन्तों के द्वारा धमार्मृत भी बरसता हैं अगर श्रावक इन दिनों में भी प्रमाद का छाता लगा कर रखें तो वह सूखा का सूखा ही रह जाये। अतः वर्षायोग में धमार्मृत से भीगें डरकर भागें नहीं। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्म सभा में दी ।राजेश पंचोलिया के अनुसार सनातन परम्परा है कि साधु सन्त जीवों की रक्षा के लिए संयम की पालना के लिए वर्षायोग में एक स्थान पर रहते हैं वर्तमान युग में मन्दिर, धर्मशाला, सन्तभवन आदि में रहकर आत्म साधना करते हैं, श्रावक

समाज, साधु संतों की आहार, विहार-निहारादि की व्यवस्था करते हैं। आहारदान वैय्यावृत्ति करने का दीर्घ कालीन अवसर प्राप्त होता हैं। किसान को अच्छी फसल उगाने के लिए 4 माह होते हैं, यदि वह इन चार माह में चूक गया तो वर्ष भर उसे कुछ प्राप्त नहीं होता है। इसी प्रकार श्रावक को त्याग तपस्या और सेवा के लिए 4 माह होते हैं यदि वह इन चार माह में चूक जाये तो उसके पश्चात कुछ भी हाथ नहीं लगता। 4 माह अमृत वर्षा होती रही, किन्तु आप भौतिकता अज्ञान असंयम की छतरी लगाकर बैठे रहे तो चातुर्मास का कुछ भी फल प्राप्त होने वाला नहीं है।आगम की आज्ञा से बंधे हुए साधु जन चातुर्मास विधि के अनुसार स्थापना करते हैं। चार माह में समाधि, असमाधि का कारण, असंयम की संभावना देख कर चारों दिशाओं में आने जाने की सीमा करते हैं। श्रावकों में धर्म जाग्रति के अनेक स्चनात्मक, धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। स्वाध्याय के प्रति रुचि उत्पन्न कराते हैं। कार्तिक की अमावस्या में प्रथम प्रहर प्रत्युष काल में वर्षायोग निष्ठान उपवास पूर्वक करते हैं। चातुर्मास आषाढ़ माह के अन्तिम दिन से प्रारम्भ होकर कार्तिक माह की अमावस्या तक चलने वाले वर्षायोग के ये महिने हमें संकेत देते हैं कि हम आषाढ़ माह में धर्म रूपी बाढ़ लगाकर जीवन रूपी कल्पवृक्ष की सुरक्षा करें। सावन में संयम की साबुन से मन को परम पावन बनाये। भादों में भक्ति के भावों से भगवान की भ्रदता पायें। आसोज में आलस्य को छोड़कर आत्म तत्त्व को जानें और कार्तिक माह में कर्मठता पूर्वक कर्तव्यों का निर्वाह करें। ऐसा करने से ही चातुर्मास के ये चार महीने हमारे लिए चतुर हितकर मास बन सकते हैं अन्यथा हमारी नासमझी के कारण यह चार महीने आलस और असंयम में गुजर कर जीवन को व्यर्थ और बेकार भी कर सकते हैं वर्षायोग धर्म ज्ञान का सीजन है अतः इस सीजन का रीजन समझ कर भूले हुई धर्म का रिवीजन करें और सच्चे मार्ग पर चलने का डिसीजन लेकर अपनी पोजीशन बनावे। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान ओर विकास जागीरदार ने बताया की भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याण पर्व पर 21 अक्टूबर को प्रातः काल 8:00 बजे निर्वाण लड्डू आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में चढ़ाया जाएगा।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगनी फॉरएवर के द्वारा
64 रिद्धि-सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपको द्वारा
श्री वर्धमान स्तोत्र पाठ
बुधवार, 15 अक्टूबर 2025
सायं 7.30 बजे से
स्थान : श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
जनकपुरी, इमली फाटक, जयपुर
-: दीप प्रज्जवलन कर्त्ता :-
श्रीमान् विजय जी-मंजू जी जैन
विशेष अतिथि : श्री राकेश जी नवीन जी पाण्ड्या
कार्यक्रम संयोजक :
नवीन जी, राकेश जी (खोरा वाले)
जे.के. जैन-लाड़ देवी जैन
आप सभी सादर आमंत्रित है कृपया पधारकर धर्म लाभ लेवे।
कार्यक्रम ड्रेस कोड :- पुरुष वर्ग - सफेद कुर्ता पायजामा/पेंट शर्ट * महिला वर्ग - केसरिया/पीली साड़ी
:: आयोजक ::
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगनी फॉरएवर
शकुन्तला-महावीर जैन विंदायका अध्यक्षा
सुनीता-रमेश गंगवाल सचिव
उर्मिला-राकेश जैन कोषाध्यक्ष
:: निवेदक ::
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
सुनील-सुमन बज अध्यक्ष
अनिल-शशि जैन संस्थापक अध्यक्ष
राजेश-सीमा बड़जात्या निर्वतमान अध्यक्ष
प्रमोद-सोनल जैन कोषाध्यक्ष
नीरज-रेखा जैन सचिव
* समस्त प्रबन्धकारिणी * महिला मण्डल * युवा मंच जनकपुरी

संगम नगर में हुआ संत सदन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह, बनेगा भव्य संत सदन

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज ट्रस्ट संगम नगर के तत्वावधान में आज यहां संत सदन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह बहुत ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि संत सदन के मुख्य शिलान्यास कर्ता थे, भरत - कुसुम मोदी परिवार व सहयोगी थे संजय पाटोदी परिवार। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे राजकुमार पाटोदी, एम के जैन, नरेंद्र वेद, डॉक्टर आनंद जैन, तेज कुमार गंगवाल, पार्षद पराग कौशल, राजेश गंगवाल, शेखर छाबड़ा, हंसमुख गांधी जयदीप जैन, अशोक चौधरी, शरद सेठी, वरि.एडवोकेट अशोक सेठी। सतीश जैन ने बताया कि प्रातः 6:30 बजे महावीर जिनालय से भव्य शोभायात्रा स्वर्ण सौभाग्यवती श्रीमती प्रवीणा सचिन भाईजी एवं चैताली संभव गंगवाल परिवार की अगुवाई में निकाली गई, जो संत सदन स्थल तक पहुंची । वहां श्री जी के अभिषेक, शांति धारा पूजन के पश्चात भूमि शुद्धि हेतु जाप अनुष्ठान किया गया। संपूर्ण धार्मिक क्रियाएं विधि विधान से बाल ब्रह्मचारी तरुण भैया जी द्वारा संपन्न कराई गई। प्रथम शिला स्वर्ण सौभाग्यवती परिवारों के साथ ही भरत कुसुम मोदी परिवार के द्वारा रखी गई। आज कुल 121 स्वर्ण , रजत ताम्र, पंचरत्न आदि शिलाएं श्रावकों द्वारा रखी गई । जिसमें सबसे अधिक सात स्वर्ण शिलाएं श्रीमती आशा - अनिल अजमेरा परिवार द्वारा रखी गई। अंत में यहां हवन भी हुआ। प्रातः 10:00 बजे से पंडाल में कार्यक्रम की शुरूआत अतिथि आमंत्रण के पश्चात भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। मंगलाचरण नृत्य कुमारी छवि और युक्ति द्वारा किया गया। भरत - कुसुम मोदी परिवार का भव्य स्वागत एक विशेष प्रकार की पगड़ी, माला व दुपट्टे से किया गया। मोदी ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि आज हमें यह अवसर दिया गया, हम यह भावना भाते हैं कि आपका संत सदन बनकर शीघ्र तैयार हो, जिससे यहां संतों का आगमन होने लगे और धर्म की महती प्रभावना हो। करीब करीब सभी अतिथियों का यही मत था। अध्यक्षीय भाषण समाज के अध्यक्ष अजय जैन ने दिया। मोदी परिवार के अभिनंदन पत्र का वाचन सचिव राकेश सेठी ने किया। सभी अतिथियों के साथ ही संगम नगर ट्रस्ट के पदाधिकारीयों द्वारा मोदी परिवार को ये सप्रेम भेंट किया गया। इस अवसर पर कमलेश सिंघई , अमित जैन, पारस जैन, सुबोध कासलीवाल, पीयूष चौधरी सही बहुत अधिक संख्या में समाज जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन सतीश जैन एवं नीलम कासलीवाल ने किया। आभार माना, समाज के कोषाध्यक्ष शमनोज जैन ने।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

पूज्य गुरुदेव 108 श्री अर्चित सागर जी मुनिराज का दीक्षा दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ भवन में विशाखा गंगवाल द्वारा धार्मिक प्रतियोगिता पर आधारित प्रेरणादायक खेलों की सुंदर प्रस्तुति हुई, सभी साधर्मी महानुभावों नेबहुत उल्लास पूर्वक पूरे कार्यक्रम में हिस्सा लिया और धर्म की जानकारी प्राप्त की। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया सतीश खण्ड़ाका,और अशोक खण्डाका परिवार के दीप प्रज्वलन से आरंभ हुए इस कार्यक्रम में पूज्य पाद गुरुदेव 108 श्री अर्चित सागर मुनिराज का चोथे दीक्षा दिवस पर मंगल उद्बोधन हुआ पूज्य गुरुदेव ने कहा दीक्षा केवल वस्त्र परिवर्तन नहीं है ,यह तो वृत्ति परिवर्तन है ,जब आत्मा जागती है तो देह की सभी सीमाएं टूट जाती हैं। एक न एक दिन सभी को संसार से चले जाना है मेरा कहा माने तो मैं कहूंगा कि किसी भी दिवस या यू समझो, जन्म दिवस पर मोमबत्तियां बुझाकर, मिठाइयां बांटकर खुशियां मत बनाना ,अभी तो यह विचार करना कि हमारा एक वर्ष कम हो गया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के सतीश खण्डाका ने बताया दीक्षा दिवस कार्यक्रम में समाज के गणमान्य महानुभाव विजय प्रकाश खण्डाका,कुंदनमल सेठी मोना पाटनी, मधु हाडा, सुनीता गंगवाल, विनोद गंगवाल आदि उपस्थित थे। पूज्य गुरुदेव षट् रस त्यागी हैं। गुरु देव का चातुर्मास पार्श्वनाथ भवन में सम्पन्न हो रहा है चातुर्मास निष्ठापन समारोह दिनांक 2 नवम्बर 2025 को पारस भवन प्रांगण में संपन्न होगा। **-रमेश गंगवाल**

आज का आदमी सम्मान की मिठाई तो जल्दी खा लेता है परन्तु अपमान का गोबर हजम नहीं कर पाता : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

तरुणसागरम तीर्थ, स्थल गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि आज का आदमी। सम्मान की मिठाई तो जल्दी खा लेता है परन्तु अपमान का गोबर हजम नहीं कर पाता। इसलिए सम्मान में फूलो मत और अपमान में कूलो मत। जब व्यक्ति कोई पाप या गलत काम करता है तो वो दुःख और अपमान को निमंत्रण ही देता है। पाप करना ही अपमान को बुलाना है। यदि आज तुम्हें सेवा, परोपकार जैसे कार्य के बाद भी अपमान मिल रहा है, इसका मतलब है कि तुमने पहले किसी अच्छे कार्य की अनुमोदना नहीं की। जो भी दुःख, परेशानी, या अपमान जीवन में आ रहा है या हो रहा है, वो तुम्हारे ही अशुभ कर्मो से हो रहा है। तुम किसी दूसरे को दोष मत दो। लेकिन आदमी बड़ा बेईमान है। जब भी कोई दुःख, परेशानी या अपमान की बात होती है तो अपनों को दोषी बता देता है और कोई कार्य अच्छा हो जाये, या कोई बड़ा लाभ हो जाये तो मैंने किया। यह जो आदमी की आदत है ये ठीक नहीं है। यह दोहरा चरित्र, दोगली- जीवनशैली ठीक नहीं है। मैं हमेशा कहता हूँ- ऐसा व्यवहार दूसरों के साथ मत करो जो खुद को पसंद ना हो। आपको गाली पसंद नहीं है, प्लीज आप गाली मत दो। आपको अपमान पसंद नही है, आप दूसरों का अपमान मत करो। आपको जो पसंद हो, वो आज से देना शुरू करो.. फिर देखो जिन्दगी में चार चाँद लग जायेंगे...!

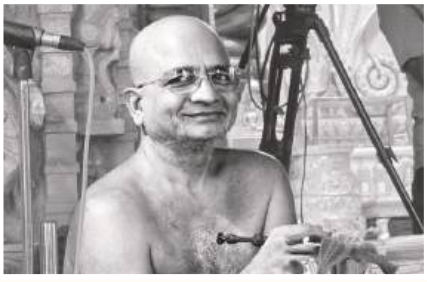

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

बेकरार दिल तू गाए जा... से दी श्रद्धांजलि

किशोर कुमार की पुण्य तिथि पर संगीत कार्यक्रम संपन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

अजमेर। कला एवं संगीत को समर्पित संस्था गाता रहे मेरा दिल के द्वारा स्व. किशोर कुमार की 38 वीं पुण्यतिथि पर वैशालीनगर स्थित अर्बन हाट बाजार मसाला चौक में संस्था अध्यक्ष अरविंद शुक्ला की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रवक्ता राजेंद्र गांधी ने बताया कि भारत के प्रसिद्ध महान गायक किशोर कुमार की पुण्य तिथि पर उनका स्मरण करने के लिए स्थानीय गायक कलाकारों द्वारा बेकरार दिल तू गाए जा संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अजमेर के 35 से अधिक कलाकारो ने किशोरकुमार के गाने प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हनुमानदयाल बंसल, दौलतसिंह खंगारोत, विशिष्ट अतिथि अनिल गोयल बाड़मेरी , डॉ विष्णु चौधरी, महेश सांखला ने मां सरस्वती एवं किशोर कुमार की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की । राजेंद्र सोनी, हेमसिंह, महेंद्र जैन भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे । कार्यक्रम में प्रताप पिंजानी मेरे नैना सावन भादो..., के जी पाराशर सारिका शर्मा ने मैं तेरे प्यार..,अरविन्द कुमार शुक्ला ने मैं हूं झुम झुम झुम - झुमरू..., महेन्द्र ज्योत्सना जैन ने तेरे चेहरे से नजर..., राजेंद्र गांधी ने पल पल दिल के पास..., श्वेता शर्मा ने कितने भी तूं करलें.., महेश लौंगानी तू कितने बरस की..., दीपक भार्गव हाल क्या है..., मंजू मेहरा वो शाम कुछ..., के के मेहरा रात कली..., मनस्वी सक्सेना चाहिए थोड़ा प्यार..., राजेन्द्र सोनी हम बोलेगा तो..., रश्मि पाल जिसका मुझे था इन्तजार..., यज्ञदत्त देखा एक ख्वाब..., नरेश शुक्ला तुम से बढ़कर..., भारतेन्दु शर्मा मेरे सपनों की..., ओ पी चाष्टा समझौता गमों से..., ज्योत्स्ना जैन तेरे चेहरे से..., - सारिका शर्मा मैं तेरे प्यार में..., किशन गोपाल पाराशर तूं कितने बरस की..., महेश सोनी अकेला गया था मैं..., यज्ञदत्त शर्मा इक रस्ता..., अरविन्द मिश्रा ओ हंसनी..., योगेश महावर कोरा कागज था..., विवेक घारु सागर जैसी आंखों..., प्रीति जैन फूलों के रंग से..., नीरज जैन सजी नहीं बारात..., सुमन वैष्णव आ चल के तुझे..., प्रकाश पंवार जहां तेरी ये नज़र है..., किरन पंजवानी तेरे बिना जिंदगी से..., प्रदीप सोनी कभी बेकसी ने मारा..., उमेश शर्मा यूं नींद से वो..., मुकेश कुमार तुम बिन जाऊं कहां..., रामकृष्ण शर्मा छूकर मेरे मन को..., शिवानी पाल दिल क्या करे..., कुमुद शर्मा आने वाला पल..., वी एस चौहान बेकरार दिल तूं गाये जा..., शिव चौधरी, विनोद काला, ममता गोयल, ऊषा बंसल, मनोज शर्मा सहित अन्य मौजूद थे ।

जनसेवा का अवसर आपके सहयोग से ही संभव

जयपुर। जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन फाउंडेशन ट्रस्ट द्वाराबुधवार 15 अक्टूबर 2025 को प्रातः 09:30 बजे से 12:30 बजे तक स्किल लैब, ट्रॉमा सेंटर, SMS हॉस्पिटल, जयपुर में BLS (CPR) ट्रेनिंग करवाई जाएगी। ट्रेनिंग से पूर्व प्रातः 9.30 बजे पर प्रतिभागियों हेतु जलपान की व्यवस्था रहेगी।इस कार्यक्रम में 3 घंटे का विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित होगा और सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। इस ट्रेनिंग के कई लाभ है। जिनमें अचानक ह्रदयगति रुकने पर तुरंत जीवन बचाने की क्षमता। आपातकालीन स्थिति में मददगार साबित होना।समाज में "लाइफ-सेवर" बनने का अवसर। परिवार, मित्र और आमजन की सुरक्षा में योगदान।सहयोग , आत्मविश्वास और जिम्मेदारी और की भावना में वृद्धि। श्री जैन ने बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में फर्स्ट एड की जानकारी व ज्ञान आवश्यक है जिससे व्यक्ति का जीवन डॉक्टर तक पहुंचने तक बचाया जा सके इसके लिए एक्सपर्ट द्वारा विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। विद्यार्थी गण, पुरुष, महिलाएं एवं अन्य सेवा भावी महानुभावों से निवेदन है कि परिवार, मित्र और आमजन की सुरक्षा हेतु अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुनीत कार्य में योगदान दें।आपकी उपस्थिति इस जन सेवा के कार्य को और प्रभावी व सफल बनाएगी।जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने जा रहा हैBasic Life Support Training Workshop के आयोजक मंडल में जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन फाउंडेशन ट्रस्टजस्टिस नगेंद्र कुमार जैन (मैनेजिंग ट्रस्टी) एवं ट्रस्टीगण प्रो.रमेश के. अरोड़ा ,दिलीप शिवपुरी , सुरेश के. जैन, संध्या काला, मुदित जैन आदि शामिल है।

संपर्क: प्रमोद जैन भँवरसंस्थापक अध्यक्ष ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट 9351944555

"जैन सोश्यल ग्रुप संस्कार की दस दिवसीय वियतनाम यात्रा सम्पन्न"

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप संस्कार ने अपने 42 सदस्यों के दल के साथ ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी के कुशल नेतृत्व में प्रत्येक सदस्य की सुख-सुविधा का ध्यान रखते हुए वियतनाम की दस दिवसीय यात्रा सकुशल सम्पन्न की। संस्कार ग्रुप की अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि इस दल को मेवाड़ रीजन के चेयरमैन अरूण माण्डोत व पदाधिकारियों द्वारा जैन ध्वज दिखाकर उदयपुर से विदा किया गया। केसरिया जी तीर्थ के दर्शन एवं अहमदाबाद में आचार्य श्री महाश्रमण जी की मांगलिक लेकर यह दल वियतनाम के लिए रवाना हुआ। वियतनाम के फुकोक के ग्रैंड वर्ल्ड का सुन्दर वाटर शो का नजारा, फिश एक्वेरियम, विन पर्ल सफारी, बर्ड शो, विन वण्डर, विभिन्न प्राकृतिक सौंदर्य से सजे तटिय द्वीप स्थलों का भ्रमण , बानगिओक वाटर पार्क की राइड्स, रिवाल्विंग टावर की ऊंचाई से चारों ओर का सुन्दर नजारा, हॉन थॉम केबल कार के सुन्दर परिदृश्य, दानांग शहर के मार्बल माउन्टेन, कोकोनट बोटिंग, लालटेन बोटिंग के साथ बाना हिल्स भ्रमण जो कि वियतनाम की वास्तुकला का जीता जागता उदाहरण था। बाना हिल्स में बने गोल्डन ब्रिज, वहां की वास्तुकला की भव्यता दशार्ता फोर्ट,पगौडा, फ्रेंच विलेज आदि-आदि सुंदर नजारों को निहारते हुए अंत में एक दिवसीय क्रुज यात्रा का आनंद लिया व उदयपुर सकुशल पहुंचे। इस प्रकार जैन सोश्यल ग्रुप संस्कार की वियतनाम यात्रा सिर्फ एक भ्रमण ही नहीं बल्कि ग्रुप सदस्यों ने वियतनाम के लोगों की जीवन शैली और संस्कृति को करीब से जाना और समझा। यह यात्रा संस्कार ग्रुप के सदस्यों के आपसी प्रेम व मैत्री भाव का संगम रहा।

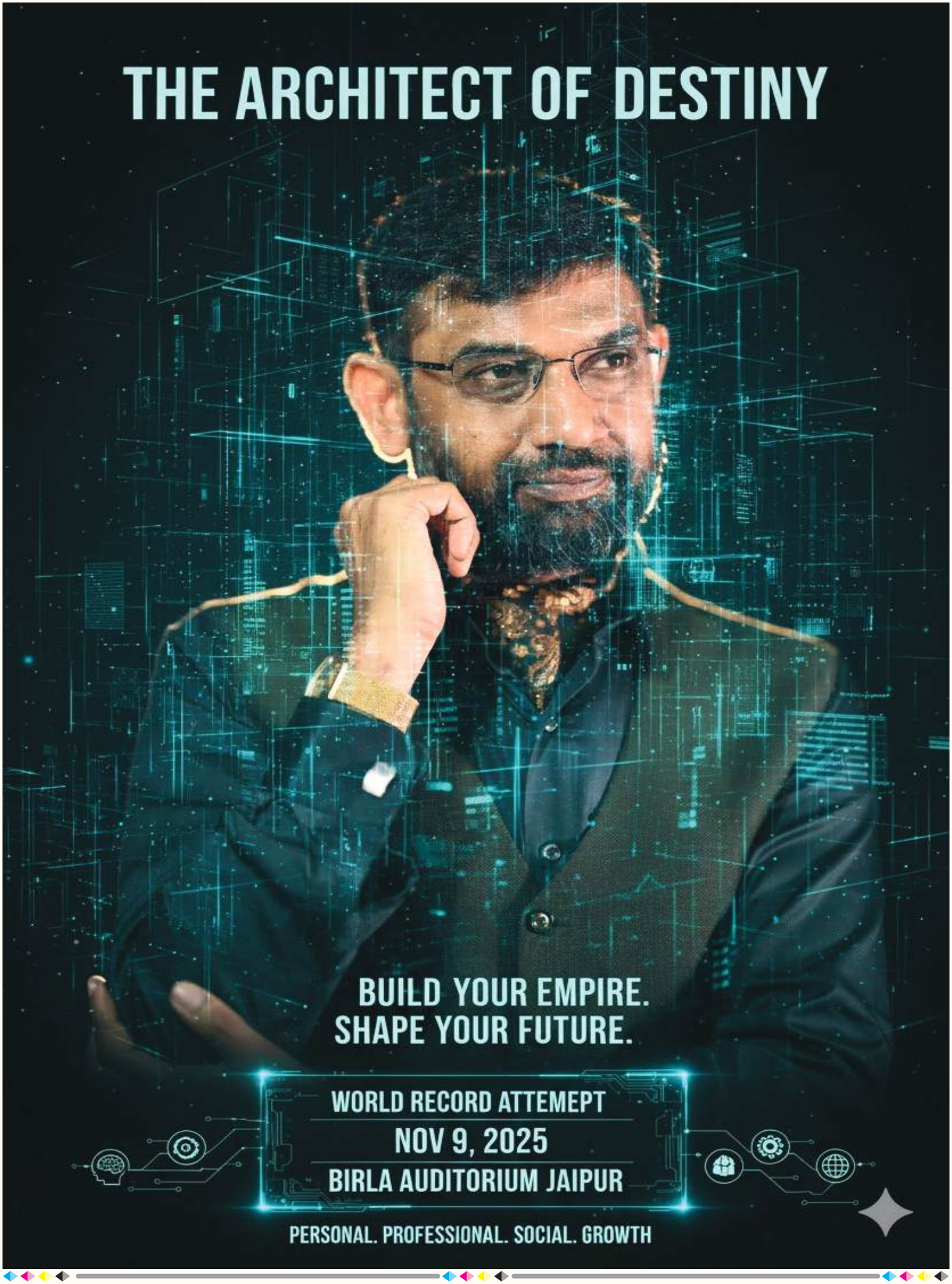
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर स्वामी का 2552 वां निर्वाणोत्सव 21 अक्टूबर को

राजस्थान जैन सभा द्वारा भट्टारक जी की नसियां में होगा मुख्य आयोजन, दिगम्बर जैन मंदिरों में होगें पूजा अर्चना निर्वाण लाडू के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2552 वां निर्वाणोत्सव मंगलवार 21 अक्टूबर को भक्ति भाव से मनाया जावेगा ।इस मौके पर भट्टारक जी की नसियां में राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा मुख्य आयोजन तथा शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें ।राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में होगा। पदम चन्द बिलाला, सुधीर गंगवाल, धीरज पाटनी, अनिल पाटनी, नीतू जैन एवं वर्षा अजमेरा को संयोजक बनाया गया है। सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः 8.15 बजे से होने वाले इस सामूहिक आयोजन में भगवान महावीर की संगीतमय पूजा अर्चना के बाद प्रातः 9.15 बजे मंत्रोच्चार के साथ मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जायेगा। महाआरती के बाद समापन होगा।

निशुल्क मृगी रोग शिविर में 116 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित कैंप दिनाक मंगलवार को संस्था परिसर में लगाया गया । संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में वरिष्ठ डॉक्टर आर के चंडक साहब ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 116 मरीजों को जिनमे 11 नए मरीज थे,सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर में पारस जी बाबेल ने मरीजों को मृगी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाते हुए इसके नियमित रूप से करने पर जोर दिया। गोपी चंद चोरड़िया, अभिषेक पाड़लेचा ने सभी मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना देते हुए संस्था के कार्यों की सराहना की। मंत्री पदम चंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधियों के बारे में एवं अध्यक्ष घेवर चंद श्री श्रीमाल ने लाभार्थी परिवारों का स्वागत अभिनंदन किया। कार्याध्यक्ष देवकरण कोठारी ने आभार व्यक्त किया।शिविर के लाभार्थी गोपी चंद ,विकास , कल्पेश चोरड़िया विजयनगर एवं ताराचंद, कमला , अभिषेक नम्रता, आगम कुमार वैदिका पाड़लेचा विजयनगर रहे। शिविर में आए हुए मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु पूरे अक्टूबर माह की सभी कैंपों की निशुल्क भोजन की सेवा श्रीमती सबरकंवर रूनीवाल धर्मपत्नी स्वर्गीय पुखराज जी रूनीवाल, राजेश ,संतोष , रजत , भरत रूनीवाल ब्यावर/ मसूदा एवं भेरूलाल , जितेंद्र कुमार , केतन , प्रियत नाबेडा ब्यावर की ओर से रखी गई ।जिसमें 225 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ उठाया। लाभार्थी परिवार से श्रीमती पवनदेवी चोरड़िया, श्रीमती वर्तिका चौरड़िया, महेंद्र कुमार पाड़लेचा, हस्तीमल पाड़लेचा, अमित चोरड़िया, मोनिका चौरड़िया सहित संस्था के मूल चंद नाबेडा,देवकरण कोठारी, राजेन्द्र चोरड़िया,पारस बाबेल, मदन लाल लोढ़ा, मदन लाल रांका, सुरेश लोढ़ा, चैन सिंह चपलोत,सुशील चौधरी, दिनेश जोशी, समता कोठारी, सुनीता जी मारू, हेमलता खटोड़ सहित गणमान्य व्यक्तियो ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का संचालन पारस बाबेल ने किया।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर आयोजित

टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड, जैतपुरा में हुआ सफल आयोजन, जेनेरिक दवाइयां एवं आंखों के नजदीकी चश्मों का किया वितरण

ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी. आंखों की हुई निःशुल्क जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के अध्यक्ष चेयरमैन वीर राजेश बड़जात्या ने अवगत कराया कि महावीर इंटरनेशनल के ध्येय वाक्य आजादी का अमृत महोत्सव - बीमारी से आजादी निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का आयोजन शनिवार, दिनांक 11 अक्टूबर को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 तक टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड , जैतपुरा में महावीर इंटरनेशनल, दिल्ली के सहयोग से महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया। वीर धनु कुमार जैन , सेक्रेटरी ने बताया कि शिविर में सहाय आई हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क आँखों की जांच एवं मणिपाल हॉस्पिटल के डाक्टर एवं उनकी टीम द्वारा ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी. की निशुल्क जांच की गई तथा शिविर में मरीजों को जेनेरिक दवाइयां व नजदीक के आँखों के चश्मो का वितरण भी किया गया। कैम्प संयोजक वीर नीरज जैन ने अवगत कराया कि कंपनी के अधिकारी विष्णु कांत जोशी तथा नरेंद्र कुमार यादव तथा दिल्ली से महेश कुमार धवल कैम्प में उपस्थित रहे । वीर मोहन लाल गंगवाल, वीरा सुशीला बड़जात्या आदि सदस्यों द्वारा शिविर व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया गया। महावीर इंटरनेशनल दिल्ली की श्रीमती धरती वार्ष्णेय , मेडिकल कैम्प कॉर्डिनेटर के मार्ग दर्शन में कैम्प आयोजित किया गया ।कैम्प के अंत मे महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा , कैम्प कॉर्डिनेटर नीरज जैन, इटरनल हास्पिटल, सहाय आई हास्पिटल के सहयोगी डाक्टर्स, तकनीशियन, लेब, तथा कम्पनी के सम्माननीय अधिकारियों का सम्मान किया गया।

संयुक्त परिवार-भारतीयता की आत्मा: नवीन कुमार भंडारी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया। देश में परिवारिक मूल्यों और सामाजिक एकता की आवश्यकता को देखते हुए समाजसेवी एवं भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता नवीन कुमार भंडारी ने हाल ही में एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से संयुक्त परिवार-भारतीयता की शक्ति नामक अभियान शुरू किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को यह संदेश देना था कि संयुक्त परिवार केवल पारिवारिक ढांचा नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की असली शक्ति है। कार्यक्रम में नवीन कुमार भंडारी ने अपने साथियों, कार्यकर्ताओं और उपस्थित नागरिकों के साथ मिलकर यह समझने का प्रयास किया कि आज के समाज में परिवारिक एकता और सहयोग क्यों घटती जा रही है और इसके परिणामस्वरूप समाज में कौन-कौन सी समस्याएँ उभर रही हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार हमें न केवल प्रेम, अपनापन और सहयोग सिखाता है, बल्कि यह बच्चों को संस्कारी नागरिक बनाने, बुजुर्गों के अनुभव को संरक्षित करने और समाज में अपनापन बनाए रखने का सबसे बड़ा माध्यम है। आम जनता के हृदय को छूने वाला संदेश : नवीन कुमार भंडारी ने भावनात्मक ढंग से आम जनता से अपील की कि संयुक्त परिवार को बोझ नहीं, अपनी सबसे बड़ी पूंजी समझें। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहाँ हर व्यक्ति अपने निजी हितों में व्यस्त है, वहाँ बुजुर्गों का अनुभव, माता-पिता की सीख और दादी-नानी की कहानियाँ सबसे मूल्यवान धरोहर हैं। आज मानसिक तनाव, अकेलापन और पारिवारिक टूटन हमारे समाज में व्याप्त हैं। इनका समाधान केवल संयुक्त परिवार की भावना को फिर से अपनाने में है। बच्चों को उपभोक्ता नहीं, संस्कारी नागरिक बनाइए। बुजुर्गों को घर से दूर न करें। अकेलापन मिटाने के लिए अस्त्रस्त्र नहीं, अपनापन बढ़ाइए। इस संदेश ने कार्यक्रम में उपस्थित हर नागरिक को सोचने पर मजबूर कर दिया। लोगों ने माना कि आज की आधुनिकता और उपभोक्तावाद ने पारिवारिक संबंधों को कमजोर किया है, और परिवार की ताकत को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। **अभियान के तहत जागरूकता का कार्य:** कार्यक्रम में नवीन कुमार भंडारी ने अपने साथियों को भी यह समझाया कि संयुक्त परिवार की महत्ता केवल घर में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र तक फैलती है। अभियान के तहत, उन्होंने निम्नलिखित पहल की: 1. **जनजागृति शिविर:** गाँव और शहर के विभिन्न हिस्सों में आम नागरिकों को परिवारिक एकता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। 2. **वार्ता और संवाद सत्र:** स्थानीय कार्यकर्ताओं और युवा समूहों के साथ चर्चा कर यह समझाया गया कि कैसे छोटी-छोटी पहलें समाज में अपनापन और सहयोग को बढ़ा सकती हैं। 3. **सांस्कृतिक और भावनात्मक कार्यक्रम:** गीत, नाटक और कथाओं के माध्यम से परिवारिक मूल्यों और बुजुर्गों के अनुभव की महत्ता को उजागर किया गया।

नवीन कुमार भंडारी ने कहा कि यह अभियान केवल एक सांस्कृतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पीएमआर विभाग, जे.एल.एन. अस्पताल, अजमेर ने काटने से बचाया मरीज का पैर

डॉ. प्रीति सोनी की देखरेख में मिला नया जीवन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर) विभाग ने एक अत्यंत जटिल और गंभीर मामले में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर एक महिला मरीज का पैर काटने से बचा लिया। यह सफलता चिकित्सा जगत में विभाग की बढ़ती साख और टीम भावना का प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। गूघरा, अजमेर निवासी 50 वर्षीय महिला मरीज पिछले एक वर्ष से दाहिने पैर में असहनीय दर्द, सूजन और अंगूठे में अल्सर (घाव) से पीड़ित थीं। उन्होंने कई अस्पतालों में उपचार कराया और उन्हें परिफेरल आर्टेरियल डिजीज (पेरिफेरल आर्टीरियल डिजीज) का निदान हुआ। लंबे समय तक उपचार के बावजूद जब कोई राहत नहीं मिली, तो उन्हें पैर की अम्प्यूटेशन (काटने) की सलाह दी गई। मरीज इस निर्णय से बेहद व्यथित थीं और धीरे-धीरे उन्होंने उम्मीद खोनी शुरू कर दी थी। अम्प्यूटेशन के डर से वे मानसिक रूप से भी टूट चुकी थीं। तभी उन्हें किसी ने सलाह दी कि वे जे.एल.एन. अस्पताल के पीएमआर विभाग में परामर्श लें। मरीज ने पीएमआर ओपीडी में डॉ. प्रीति सोनी से संपर्क किया। डॉ. सोनी ने केस का विस्तारपूर्वक अध्ययन किया और उन्हें भर्ती होने की सलाह दी। भर्ती के बाद, उन्होंने मेडिकल मैनेजमेंट के साथ एक्सरसाइज थेरेपी, सीरियल अल्ट्रासाउंड गाइडेड लम्बर सिम्पेथेटिक गैंग्लियन ब्लॉक (यूएसजी गाइडेड लम्बर सिम्पथेटिक गांगलियों ब्लॉक- एम आई पी एस आई टेक्नीक) प्रारंभ किया। धीरे-धीरे मरीज के दर्द में अद्भुत कमी आई और पैर के अल्सर में तेजी से सुधार हुआ। उपचार के कुछ सप्ताहों बाद मरीज चलने-फिरने लगीं और अब वे पूर्णतः राहत महसूस कर रही हैं। मरीज ने परिवार सहित अस्पताल लौटकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और विशेष रूप से प्राचार्य डॉ. अनिल समारिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, विभागाध्यक्ष डॉ. हेमेश्वर हर्षवर्धन, उपचारकर्ता डॉ. प्रीति सोनी तथा यूनिट हेड डॉ. कमलकांत का धन्यवाद किया।

सिंह निष्क्रीडित व्रत सहित हजारों उपवास करने वाले अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ को जयपुर आगमन के लिए किया श्रीफल भेट

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पदमपुरा में विशाल आयोजन संभावित

जयपुर. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज जयपुर की ओर से जयपुर से श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के संरक्षक सुभाष चन्द जैन के नेतृत्व में गये 51 सदस्यीय दल ने गाजियाबाद के तरुण सागरम तीर्थ पर चातुर्मासरत हजारों उपवास करने वाले अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागर महाराज ससंघ को चातुर्मास समापन के बाद जयपुर आगमन के लिए श्रीफल भेट कर निवेदन किया गया। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि समर्पण एवं श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य हमेशा सफलता को प्राप्त करता है। इससे पूर्व सुभाष चन्द जैन ने जयपुर वासियों की ओर से अपने भाव व्यक्त करते हुए जयपुर आगमन एवं कम से कम एक माह के प्रवास के लिए निवेदन किया। इस मौके पर मुनि भक्त विनोद जैन कोटखावदा ने सभी गुरु भक्तों का आचार्य श्री से परिचय करवाया। अन्त में जयकारों के साथ धर्म सभा का समापन हुआ। इससे पूर्व प्रातः जयपुर से तरुण सागरम तीर्थ गये गुरु भक्तों ने शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर मंदिर जी में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किये। तत्पश्चात विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए वृहद शांतिधारा की। इस मौके पर क्षेत्र कमेटी की ओर से सभी गुरु भक्तो का भावभीना स्वागत किया गया। यात्रा दल में शामिल विपुल छाबड़ा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का दिल्ली से 14 दिसम्बर को पदमपुरा जयपुर के लिए मंगल विहार संभावित है। आचार्य श्री ससंघ के सानिध्य में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसम्बर को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

पदमपुरा बाडा में भगवान पदमप्रभू के चरणों में विशाल आयोजन होना संभावित है। इस मौके पर पूरे देश से बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। दल के राजेन्द्र जैन मोजमाबाद ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का जयपुर शहर में जनवरी के प्रथम सप्ताह में मंगल आगमन होने की संभावना है।